राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस नोट

राजभवन में इस वर्ष 03 और 04 मार्च को होगी पुष्प प्रदर्शनी/वसंतोत्सव–2012

देहरादून 06 फरवरी, 2012:– ''वसन्तोत्सव 2012'' के आयोजन हेतु आज राजभवन में राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक में कई निर्णय लिये गये। निर्णयानुसार दो दिवसीय ''वसन्तोत्सव 2012'' का उद्घाटन राज्यपाल द्वारा 03 मार्च को प्रातः 11 बजे किया जायेगा। तत्पश्चात प्रदर्शनी में जन–साधारण का निःशुल्क प्रवेश अनुमन्य होगा। 04 मार्च को सांय 4:00 बजे राज्यपाल द्वारा पुष्प प्रदर्शनी/प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। भारतीय डाक विभाग द्वारा उद्घाटन अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति जारी किये जाने वाले ''विशेष आवरण चित्र'' (डाक टिकट) के लिए इस वर्ष उत्तराखण्ड में उगने वाले जंगली पुष्प **फ्यूली (Fyuli)** का चयन किया गया है। पीले रंग का यह छोटा, नाजुक सा फूल बसन्त के आगमन का प्रतीक माना जाता है।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि बसन्तोत्सव के इस अवसर को जन–सामान्य में लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से इसे मनोरंजक, ज्ञानवर्धक बनाने के साथ ही कन्या भ्रूण हत्या, रक्त अल्पता तथा कुपोषण जैसी अनेक कुरीतियों व समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए अभियान चलाने का माध्यम भी बनाया जा सकता है। राज्यपाल ने कुपोषण को गम्भीर समस्या मानते हुए **कुपोषण** को इस वर्ष की प्रदर्शनी के जागरूकता अभियान का विषय चुना है। उन्होंने कहाः– ''इस समस्या के निदान के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य सामग्री को सरल उपाय अपनाकर किस प्रकार अधिकाधिक पौष्टिक बनाया जाये इसके लिए नवधान्या व हैस्को जैसी गैर सरकारी संस्थाओं तथा बाल कल्याण परिषद का सहयोग लिया जा सकता है।''

बच्चों में प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति आकर्षण बनाये रखने की दृष्टि से राज्यपाल ने कहा कि प्रदर्शनी में अपवंचित व असहाय वर्ग के बच्चों के साथ ही अन्य स्कूली बच्चों को भी अधिकाधिक संख्या में बुलाया जाये। प्लास्टिक बैग्स के प्रयोग को धीरे धीरे शून्य करने की दृष्टि से राज्यपाल ने विकल्प के रूप में कपड़े के बैग को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में विभिन्न महिला स्वंय सहायता समूहों द्वारा निर्मित कपड़े के थैलों की विक्री हेतू रखा जा सकता है इससे हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलेगा। बैठक में राज्यपाल ने यह भी निर्देश दिये कि इस पुष्प प्रदर्शनी के आयोजन में जहां भी कागज का प्रयोग जरूरी हो, वहां हैण्ड मेड पेपर का ही प्रयोग किया जाये।

उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति को बढ़ावा देने की दृष्टि से पुष्प प्रदर्शनी के दोंनो दिवसों मे सांयकाल राजभवन ऑडीटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस बार राजभवन में चमोली तथा गुंजी क्षेत्र के लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर देकर वहां की अदभुत लोक कला से जन–साधारण से परिचित कराया जायेगा।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी व्यावसायिक, निजी पुष्प उत्पादकों सहित विभिन्न सरकारी उद्यानों की पुष्प प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, पुष्प आधारित रंगोली, बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। प्रदर्शनी के दौरान स्थानीय सांस्कृतिक कलाकारों की मनोरंजक प्रस्तुतियॉ निरन्तर चलती रहेंगी। फूलों तथा प्राकृतिक सौन्दर्य पर आधारित फोटो प्रदर्शनी, पेंटिंग प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी। राज्यपाल ने पेंटिंग प्रदर्शनी के लिए **उत्तराखण्ड का सौन्दर्य** को थीम बनाने का निर्देश दिया।

वसंतोत्सव के दौरान लगाये जाने वाले प्रस्तावित 60 स्टालों में विभिन्न विभागों के अन्तर्गत एफ.आर.आई. तथा वन, विभाग द्वारा जंगली फूलों (सूखे) एच.आर.डी.आई. एण्ड कैप द्वारा सगन्ध एवं औषधीय पौधों, बांस के विभिन्न उत्पाद, आर्किड पुष्प के उत्पादन की तकनीक तथा पर्यटन विभाग द्वारा पुस्तकों व छायाचित्रों का प्रदर्शन किये जाने के साथ ही ओ.एन.जी.सी., वाडिया इस्टीट्यूट तथा जलागम प्रबन्धन द्वारा भी विशेष स्टॉल लगाये जायेंगे। **राज्यपाल के निर्देशानुपालन में कुपोषण संबंधी स्टाल्स पर विशेष फोकस होगा।**

राज्यपाल ने बैठक में प्रदर्शनी के प्रतिभागियों, आगन्तुकों तथा आयोजकों के लिए खान–पान, पेयजल, अस्थाई शौचालय, प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा, जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं/सुविधाएं शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। खान–पान की व्यवस्था के लिए इस वर्ष आई.एच.एम को जिम्मेदारी दी गई है।

इस बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री अशोक पई, अपर सचिव राज्यपाल श्री सचिन कुर्वे, परिसहाय, मेजर बरिन्दरजीत सिंह, वरिष्ठ वित्त अधिकारी राजभवन श्रीमती पूनम, सचिव (उद्यान) श्री ओमप्रकाश, मुख्य परियोजना निदेशक जलागम श्रीमती रेखा, अपर सचिव उद्यान श्री जी.एस.पाण्डे, निदेशक उद्यान डा0 आई.ए.खान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, पुष्पोत्पादक तथा विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

————————0————————

सूचना अधिकारी श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड टेली0 फै0–0135–2756172 मो0न0:–9456590619